



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 17, 2004/माघ 28, 1925

No. 45]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 17, 2004/MAGHA 28, 1925

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 2004

सं. 51(आरई-2003)/2002—2007

फा.सं. 01/94/180/00016/एम 04/पीसी-IV.—
निर्यात-आयात नीति, 2002—2007 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं दूष्टारा
प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड 1) में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :

पैरा 4.40 में सार्वजनिक सूचना सं. 11 दिनांक 30-5-03 द्वारा
शामिल की गई एस ई जैड से संबंधित उपबन्ध को निम्नानुसार संशोधित
किया जाता है :

“वाणिज्य विभाग द्वारा यथाअधिसूचित विशेष आर्थिक जोनों
(एसईजैड) को किए गए निर्यात भी डी ई पी बी के हकदार
होंगे।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

एल. मानसिंह, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 17th February, 2004

No. 51(RE-2003)/2002—2007

E. No. 01/94/180/00016/AM04/PC-IV.—In exercise
of powers conferred under paragraph 2.4 of the Export and
Import Policy, 2002—2007, the Director General of Foreign
Trade hereby makes the following amendment in the
Handbook of Procedures (Vol. 1) :

The provision related to SEZ as incorporated vide
Public Notice No. 11 dated 30-5-03 in paragraph 4.40, stands
amended as follows :—

“The exports made to the Special Economic Zones
[SEZs] as notified by the Department of Commerce,
are also entitled to DEPB.”

This issues in the Public interest.

L. MANSINGH, Director General of Foreign Trade